



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS17244	ImageGroup:	I8LS17278
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རོ་ར་སེམས་སྒོ་ནས་གདུང་རུས་སྤངས་ཆོག་བྱ་ཚུལ། rdor sems sgo nas gdung rus sbyangs chog bya tshul/
Author:	n/a
Descriptor:	handwritten manuscript in Ucan script, seems to be lithograph print
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138. Comments: 02/2016

२७। दैर्घ्येऽपि स्यादिति श्रुत्वा यद्गुरुं ब्रूयात्
श्रुत्वा केषां च कुलं तदा हरेषां सुवर्णं च यत्तु वा

५५२

२०। वल्लभा रुद्राक्षं सप्तः तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु
 तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु
 तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु
 तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु तद्विरचयत्तद्विरचयत्तु

ཡུལ་
ཡུལ་

༡༡། ལུ་ལོ་ལ་ལྟོ་བ་བྱུང་ལུ་ལ་ལྟོ་ལ་དང་བཅུ་ལ་ལོ་ལྟོ་ལ་ལ་
ལོ་ལྟོ་ལ་ལ་ལོ་ལྟོ་ལ་དེ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་
ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་
ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་
ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་ལྟོ་ལ་

[illegible]

བ་བྱལ་པ་ལ། དེ་ནས་སྒྲིལ་པེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་གང་པའི་བུལ་པ་ཐོགས་ནས། ཨྱོ་
སའ་ན་ནས་ ཨྱོ་ ཞེས་དབང་སྒྲུར། སྒྲུལ་པེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་གང་། མི་བསྐྱེད་པས་དབུ་
ཁྱེད་པར་ལྷུར། དེ་ནས་མཆོད་པ་ལ་སྒྲིལ་པས་པའི་ནང་སྒྲུར་ཐུབ་ཀྱིས་རྒྱལ་པ། བུལ་པ་པའི་
སྒྲུར། སྒྲིལ་པེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་གང་། ཨྱོ་ ཞེས་དབང་སྒྲུར། སྒྲུལ་པེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་གང་། ཨྱོ་
ལ་གྱི་ན་པ་རིང་པ་ལ་ཁྱེད་པར་ལྷུར་པ་ལ་སྒྲིལ་པས་པའི་ནང་སྒྲུར་ཐུབ་ཀྱིས་རྒྱལ་པ། བུལ་པ་པའི་
སྒྲུར། ཨྱོ་ ཞེས་དབང་སྒྲུར། སྒྲུལ་པེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་གང་། ཨྱོ་ ཞེས་དབང་སྒྲུར། སྒྲུལ་པེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་གང་། ཨྱོ་

[illegible]

བཅུ་པ་པར་ལ་སྤྲུག་པ་ཀུང་གིས་ལ་ཆོད། སྤྲུག་པ་དེ་ལ་འཕྲུག་སྤྲུལ་བཅུ་གསུམ་པའི་ནང་ལ་ཆོད་ཀྱང་སྤྲུག་
 ལི་བཅུ་དྲུག་རྩེ་ཞེས་པའི་ཆོག་པ་པ་ཅད་དུ་ལ། གང་གི་ལ་ཆོད་ཅོལ་པ་ཆོད་པ་སྤྲུག་། །ལས་
 ངོ་སྤྲུག་ལྷང་ལ་ལུས་པ། །སྤྲུག་ཅོག་ཅོད་ལ་དུངས་འཕྲུག་པའི། །དོན་ཅེས་ལས་དཔའ་ལ་
 སྤྲུག་འཆོལ། །ཞེས་པས་བསྟོད། བཅོལ་ལྷན་འདས་དོན་ཅེས་ལས་དཔའི་སྤྲུག་ཀྱང་རྩེ་
 བའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་སྤྲུང་དུ་དྲུག་གི་ལ་པར་སྤྲུག་པ་སྤྲུག་གིས་བསྟོར་པ་ལས་འདྲ་བའི་ལྷན་པ་

७७ । सेव्यस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य । केहेरेव्यस्य दयतिरेव्योत्थद
 लपगद । सदा कुसा सुदसेव्यस्य प्रव्यस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य ।
 देव्यस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य ।
 देव्यस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य ।
 देव्यस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य उदयस्य ।

[illegible]

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

༡༡། ཁྱེད་པ་འདྲེན་ཆགས་ནི་དེ་ཆེ་ཆེ་མ་པ་ཅུ་མ་གང་། རྒྱུ་པ་འཇིག་རྒྱུ་རལ་ལས་
 བྱེད་ཆུག་ཏུ་རལ་འབྱུང་ལ་ཅུ་མ་། ཁྱེད་པ་པུ་ཆེ་ཆེ་མ་པ་དག་འཔལ་ལྟེ་པ་པའི་དེ་པའི་གྲུ་པ་
 བྱེད་ཆུག་པ་ལས་འདྲེན་ཆུ་ཆེ་ཅན་དེ་ལ་མ། རྒྱུ་དང་དང་དག་འདྲེན་ཆུ་པ་པའི་དེ་པའི་ལྟེ་པ་པའི་གྲུ་པ་
 དང་། ཁྱེད་དྲེན་འབྱུང་པའི་དང་པའི་ལྟེ་པ་པའི་ལས་པུ་དེ་པའི་ལྟེ་པ་པའི་ཆེ་པ་། ཁྱེད་པ་དེ་དང་
 ལྟེ་པའི་དེ་དག་ཆགས་ལྟེ་པ་པའི་དེ་དེ་ལྟེ་པ་། བྱེད་ཆུག་པ་ལས་འདྲེན་ཆུ་ཆེ་ཅན་དེ་ལ་མ། །

གཤམ་ཞེས་ཐོག་མ་མེད་དང་སྐྱེས་པ་འདི་སྒྲིམ་པ། །ཐབས་དང་ཤེས་པ་ལས་བྱུང་སྒྲིམ་པ།
དང་ཐུག་པར་བྱལ། །གསུང་པའི་དབང་སྒྲུབ་བརྒྱུད་ཞུགས་དམ་ཚིག་སྒྲུབ་པ་ཏུ་གྱུར།
བྱུང་ཆུབ་དོན་རྒྱུ་འདྲེན་པ་ལྟར་ལམ་མཚུགས་ལས་ཐབས་ཀྱི་འདོད་
སྒྲིམ་ཞིང་། །བསྐྱེད་པའི་ཚིག་ཉེ་བར་སྒྲུབ་པ་སྒྲུབ་པ་དང་། །སྒྲུབ་པ་ཚུན་པོས་སྒྲིམ་
འཁྱེར་པའི་སྒྲུབ་དབང་པོ། །བྱུང་ཆུབ་དོན་རྒྱུ་འདྲེན་པ་ལྟར་ལམ་མཚུགས་ལས་ཐབས་ཀྱི་འདོད་

[illegible]

151

ཕའི་སྐྱ་ག་རྒྱ་ད་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་དྲ་པ་འཕྱིན་ལས་ལ་ཐུབ་པོ་ད་... ལྟུ་ལ་པའི་སྐྱ་ཀྱི་པར་དུ་
 གཞོད་པ་ཐུགས་རྒྱ་དེ་པར་ཞི་པར་གྱུར་ཅིག་ རེ་ནས། འདྲི་བེ་སྐྱ་པའི་རང་པའི་ར་
 ལྟུ། ཞེས་མི་ག་ས་ཆེན་ས་པར་དེ་རེ་ལ་ཐུར་ཡིག་པ་ཐུ་པ་རྗེ་ད་རྒྱ་ད་ དཔལ་ལ་ཐུ་རྒྱ་སྐྱ་
 དཔལ་པ་X པར་དུ་གཞོད་པ་ཐུགས་རྒྱ་དེ་པར་ཞི་པ་དང་། ཐུ་པར་དུ་སྐྱ་པའི་ཡེ་རྒྱ་
 དུ་སྐྱ་པའི་གེ་གས་ཐུ་དེ་ཀྱི་པར་ཆད་ཐུགས་རྒྱ་དེ་པར་ཞི་ནས་སྐྱ་པའི་ཡེ་རྒྱ་དུ་སྐྱ་པའི་ཡེ་རྒྱ་

八

221

२५५५

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

तदस्य वा लक्ष्यं तदस्यैवास्ति यत्तु।

[illegible][illegible][illegible]

उत्तराखण्ड राज्य में "सिद्धि"

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

देव'वी'र'प्र'ण'द'य'ल'य'न'

གཞན་ལ་པར་ཕྱིན་པའི་ཕྱི་རྒྱུ་ལ་
 ཞེས་པ་དེ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 དམ་པའི་ཕྱི་རྒྱུ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

